

श्याम तेरी वंशी ने कैसा जादू, किस तरह कैसा जादू ----- ॥२॥
वहाँ वंशी, बुलाये तेरी यहाँ मैयाने, डेरा है यहाँ मैयाने ----- ॥२॥
श्याम तेरी वंशी ----- वहाँ वंशी -----

① तेरी वंशी की, धुन सुनके मैं देखी, चली गई
लास कर बैठ, बदलती रही पर नौद, नहीं आई
पहले माखन, बुरिया तूने अब दिल का, लुट्टा है
श्याम तेरी वंशी ----- अब दिल का ----- वहाँ दिल का ----- ॥२॥
वहाँ वंशी -----

② राधा को जीवन मेरा किया तुमसे, निधावर है
मैंने दिल में ठान लिया तू ही मेरा घर है
तेरी श्रुत ने, नैनो में डाल दिया डेरा है डाल दिया डेरा ----- ॥२॥
श्याम तेरी वंशी ----- वहाँ वंशी -----

③ प्रीत तुमसे, लगाई दिया ये प्रेम का, नाता है
तेरे, सिवा अब मुझे कोई ना, सुखता है
दूर रहता हूँ, जब तुमसे तेरी यादों ने, घेरा है तेरी यादों ने ----- ॥२॥
श्याम तेरी वंशी ----- वहाँ वंशी -----

④ युगल पर्वणों की प्यारी मांकी मेरे दिल में, उतर गई
लगता है "प्रीताना प्री" ने अब प्रेम, निधि पाई
इस रात के, अंधेरे में मुझे लगाता, संभरा है मुझे लगता ----- ॥२॥
श्याम तेरी वंशी ----- वहाँ वंशी -----